2022

(May/June)

HINDI

(Modern Indian Language)

(हिन्दी साहित्य)

(HIN–MIL)

Marks : 75

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5×3=15

(क) यह ऐसा संसार है, जैसा सेमल-फूल।
दिन दस के ब्यौहार को, झूठे रंग न भूल॥

(ख) रावरे दोस न पायन को पग-धूरि, को भूरि प्रभाउ महा है।
पाहन ते बन-बाहन काठ को कोमल है, जल खाइ रहा है।
पावन पाय पखारि कै नाव चढ़ाइहौं, आयसु होत कहा है।
तुलसी सुनि केवट के बर बैन, हँसे प्रभु जानकि ओर हहा है।

(ग) जो लोग समय तय करके भी घर नहीं मिलते, वे मुझे भगवान का एजेंट मालूम होते हैं। वे हमें अभ्यास कराते हैं कि कैसे बिना ऊबे, अवमानना की अवहेलना करके अनिश्चित काल के लिए किसी के दरवाजे पर इंतजार किया जाता है।

(घ) मैंने तुमसे कितनी बार कहा है कि अपने भावों को छिपा लेने की निपुणता तुम्हें प्राप्त नहीं। तुम्हारी उपेक्षा, तुम्हारा क्रोध, तुम्हारी समस्त भावनाएँ तुम्हारी आकृति पर प्रतिबिम्बित हो जाती हैं। तुम्हें मेरी आदतें बुरी लगती हैं।

(ङ) हुँकारों से महलों की नींव उखड़ जाती,
साँसों के बल से ताज हवा में उड़ता है;
जनता की रोके राह समय में ताब कहाँ?
वह जिधर चाहती, काल उधर ही मुड़ता है।

2. हिन्दी साहित्य का काल-विभाजन करते हुए आदिकाल के नामकरण के औचित्य पर विचार कीजिए। 15

अथवा

भक्ति काव्यधारा की विविध शाखाओं का परिचय दीजिए।

3. 'राम-वन-गमन' कविता के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

मैथिलीशरण गुप्त की 'शुभ-कामना' कविता का मूल-भाव स्पष्ट कीजिए।

4. 'प्रसाद' रेखाचित्र की मूल संवेदना पर विचार कीजिए। 15

अथवा

'बड़े भाई साहब' की कथावस्तु का विवेचन कीजिए।

5. 'चंपक' एकांकी के आधार पर किशोर का चरित्र-चित्रण कीजिए। 15

अथवा

एकांकी-कला के आधार पर 'तौलिये' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

★★★